

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (मध्य प्रदेश): हम जानना चाहेंगे कि यह किस व्यक्ति ने लिखा है? ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, yes. Ensure that from such books it is removed and also inquire how it happened.

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, I will convey the feelings of the House to the concerned Minister. ...**(Interruptions)**..

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी: जिस व्यक्ति ने यह लिखा है उस आदमी के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए ...**(व्यवधान)**... जिसने शहीदों को 'आतंकवादी' बताया है ...**(व्यवधान)**... क्या उस व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही होगी? ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...**(Interruptions)**.. Now, please sit down. Chaudhary Munvvar Saleem.

Minority status of Aligarh Muslim University

चौधरी मुनव्वर सलीम (उत्तर प्रदेश):

"चश्मे सैय्यद निगरां हैं कि फिर उठे शायद
कोई दीवाना अलीगढ़ के बयाबानों से।"

उपसभापति महोदय, मैं एक ऐसे इदारे का दर्द लेकर खड़ा हुआ हूँ, जो हिन्दुस्तान की तारीख भी है और हिन्दुस्तान की तरबीयत का एक बेहतरीन मरकज भी है। मेरी मुराद अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से है।

उपसभापति जी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का ख्वाब मरहूम सर सैयद ने 1877 में देखा था, लेकिन उसको वे पूरा नहीं कर सके। 1920 में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एक बिल के जरिए ब्रिटिश पार्लियामेंट ने बनाई। उस वक्त हिन्दुस्तानी मुसलमानों से 30 लाख रुपये और 5 एकड़ जमीन का मुतालबा था, जबकि हिन्दुस्तानी मुसलमानों ने इकट्ठा करके 500 एकड़ जमीन और 37 लाख रुपया दिया और उस इदारे को शुरू कर दिया गया। उस इदारे ने बहुत सारे नायाब हीरे पैदा किए। कुछ लोगों ने उसे मजहब के आईने में देखा।

उपसभापति महोदय, मैं आपसे कहना चाहता हूँ और आपके जरिए सरकार से कहना चाहता हूँ कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी वह इदारा है, जहां अगर ईद के दिन काली शेरवानियों से अरास्ता स्टुडेंट दिखाई देते हैं, तो ईद-ए-गुलाबी, यानी होली के दिन रंग में सराबोर लोग भी दिखाई देते हैं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी वह इदारा है, जहां जो पहले ग्रेजुएशन करने वाले छात्र थे, वे राजा महेंद्र सिंह थे। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी वह इदारा है, जहां आज भी 50 फीसदी से ज्यादा मेडिकल कॉलेज में बहुसंख्यक समाज के लोग पढ़ते हैं, लेकिन अगर उसका अक्लियती किरदार खत्म करने की कोशिश की जाए, तो यह दुर्भाग्यशाली होगा। माननीय उपसभापति जी, 1965 में एक दुर्भाग्यशाली घटना हुई थी, उसके बाद अलीगढ़ तहरीक के नाम से एक तहरीक चली, जिसमें हिन्दुस्तान शामिल हुआ और उस तहरीक के सबसे मजबूत और कद्दावर नेता का नाम मोहम्मद आज़म खान था। उन्होंने लम्बी जेल काटी और उसके बाद जय

प्रकाश जी के नेतृत्व में एक नये सूर्य का उदय हुआ और उस वक्त के बहुत सारे लोग इस सदन में बैठे हैं। आदरणीय सुब्रमण्यम स्वामी जी जैसे लोग, जिन्होंने अपने घोषणा पत्र में यह वायदा किया था कि हम अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का अक्लियती किरदार बहाल करेंगे, लेकिन 1981 में श्रीमती इंदिरा गांधी ने उसे बहाल किया। उसमें एक लेक्युना था, उस लेक्युना में अलीगढ़ की तहरीक के सारे लोगों को एतराज रहा और वही कारण बना कि उसके अंदर अदालत का हस्तक्षेप हुआ। मैं इस सदन से मांग करता हूँ कि अगर आप देश को शिक्षित करना चाहते हो, देश के अनपढ़ लोगों को पढ़ाना चाहते हो, अगर उन लोगों को पढ़ाना चाहते हो, जिनके लिए जस्टिस सच्चर ने कहा कि इनकी तालीमी हालत दलितों से भी बदतर है, तो अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को अदालती विवादों से बाहर निकाल कर इस संसद के फ्लोर पर एक नई जिन्दगी दो और उसके अक्लियती किरदार की रक्षा करो। चूंकि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का हिन्दुस्तान की जंगे आजादी में ऐसा तारीखी रोल रहा है, जब गांधी जी ने कहा कि अंग्रेजी लिबास जलाओ, तो अलीगढ़ के स्टुडेंट्स ने अंग्रेजी लिबास का पहाड़ बना दिया था और भारत की आजादी के आंदोलन में साथ दिया था। मैं दलगत सियायत से ऊपर उठ करके आप सबसे करबद्ध अपील करता हूँ कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के अक्लियती किरदार को अदालत की जगह संसद के फ्लोर पर तय किया जाए।

† چودھری منور سلیم (اترپردیش):

چشم سید نگراں ہے کہ پھر اٹھے شاید

کوئی دیوانہ علیگڑھ کے بیابانوں سے

اُپ سبھاپتی مہودے، میں ایک ایسے ادارے کا درد لیکر کھڑا ہوا ہوں، جو ہندستان کی تاریخ بھی ہے اور ہندستان کی تربیت کا ایک بہترین مرکز بھی ہے۔ میری مراد علی گڑھ مسلم یونیورسٹی سے ہے۔ اُپ سبھاپتی جی، علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کا خواب مرحوم سرسید نے 1817 میں دیکھا تھا، لیکن اس کو وہ پورا نہیں کر سکے۔ 1920 میں علیگڑھ مسلم یونیورسٹی ایک بل کے ذریعہ برٹش پارلیمنٹ نے بنائی۔ اس وقت ہندستان کے مسلمانوں سے 30 لاکھ روپے اور پانچ ایکڑ زمین کا مطالبہ تھا، جب کہ ہندستانی مسلمانوں نے اکٹھا کر کے 500 ایکڑ زمین اور 37 لاکھ روپیہ دیا اور اس ادارے کو شروع کر دیا گیا۔ اس ادارے نے بہت سارے نایاب بیرے پیدا کیے۔ کچھ لوگوں نے اسے مذہب کے آئینے میں دیکھا۔ اُپ سبھاپتی مہودے، میں آپ سے کہنا چاہتا ہوں اور آپ کے ذریعہ سرکار سے کہنا چاہتا ہوں کہ علیگڑھ مسلم یونیورسٹی وہ ادارہ ہے، جہاں اگر عید کے دن کالی شیروانیوں سے آراستہ اسٹوڈینٹ دکھائی دیتے ہیں، تو عید گلابی، یعنی بولی کے دن رنگ میں شرابور لوگ بھی دکھائی دیتے ہیں۔ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی وہ ادارہ ہے، جہاں جو پہلے گریجویشن کرنے والے چھٹر تھے، وہ راجہ مہیندر سنگھ تھے۔ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی وہ ادارہ ہے جہاں آج بھی پچاس فیصدی سے زیادہ میڈیکل کالج میں بہوسنکھیک سماج کے لوگ پڑھتے

† Transliteration in Urdu script.

ہیں، لیکن اگر اس کا اقلیتی کردار ختم کرنے کی کوشش کی جائے، تو یہ درہاگہ شالی ہوگا۔ مانیئے آپ سبھاپتی جی، 1965 میں ایک ڈربھاگہ شالی گھٹنا ہوئی تھی، اس کے بعد علی گڑھ تحریک کے نام سے ایک تحریک چلی، جس میں ہندوستان شامل ہوا اور اس تحریک کے سب سے مضبوط اور قدآور نیتا کا نام محمد اعظم خاں تھا۔ انہوں نے لمبی جیل کاٹی اور اس کے بعد جے پرکاش کی قیادت میں ایک نیا سورج طلوع ہوا، اور اس وقت کے بہت سارے لوگ اس سدن میں بیٹھے ہیں۔ آدرنیئے سیرامنیم سوامی جی جیسے لوگ، جنہوں نے اپنے گھوٹنا پتر میں یہ وعدہ کیا تھا کہ ہم علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کا اقلیتی کردار بحال کریں گے، لیکن 1971 میں شیریمتی اندرا گاندھی نے اسے بحال کیا۔ اس میں ایک لیکونا تھا، اس لیکونا میں علی گڑھ کی تحریک کے سارے لوگوں کو اعتراض رہا اور وہی وجہ بنی کہ اس کے اندر عدالت کی مداخلت ہوئی۔ میں اس سدن سے مانگ کرتا ہوں کہ اگر آپ دیش کو تعلیم یافتہ بنانا چاہتے ہو، دیش کے ان پڑھ لوگوں کو پڑھانا چاہتے ہو، اگر ان لوگوں کو پڑھانا چاہتے ہو، جن کے لیے جسٹس سچر نے کہا کہ ان کی تعلیمی حالت دلتوں سے بھی بدتر ہے، تو علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کو عدالتی ووادوں سے باہر نکال کر اس سند کے فلور پر ایک نئی زندگی دو، اور اس کے اقلیتی کردار کی حفاظت کرو۔ چونکہ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کا ہندوستان کی جنگ آزادی میں ایسا تاریخی رول رہا ہے، جب گاندھی جی نے کہا کہ انگریزی لباس جلاؤ، تو علی گڑھ کے اسٹوڈنٹس نے انگریزی لباس کا پہاڑ بنادیا تھا اور بھارت کی آزادی کے آندولن میں ساتھ دیا تھا۔ میں دلگت سیاست سے اوپر اٹھ کر آپ سب سے کربڈ اپیل کرتا ہوں کہ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کے اقلیتی کردار کو عدالت کی جگہ سند کے فلور پر طے کیا جائے۔

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आज़ाद): सर, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

† قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد): سر، میں مانیئے سدسئے کے الیکھ سے

خود کو سمبڈھ کرتا ہوں۔

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): सर, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री के. रहमान खान (आंध्र प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

†جناب کے رحمان خان (آندھرا پردیش): میں مائے سدسے کے الیکہ سے
خود کو سمبڈھ کرتا ہوں۔

श्री डी. राजा (तमिलनाडु): सर, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।
श्री के. सी. त्यागी (बिहार): सर, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।
श्री सतीश चंद्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश): सर, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): सर, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): सर, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

मीर मोहम्मद फैयाद (जम्मू और कश्मीर): सर, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

†جناب میر محمد فیاض (جَموں و کشمیر): سر، میں مائے سدسے کے الیکہ سے
خود کو سمبڈھ کرتا ہوں۔

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): सर, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

श्री पी. एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): सर, मैं माननीय सदस्य के उल्लेख से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the Zero Hour Mention made by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(Interruptions)... Yes, yes. ...(Interruptions)... The names of all those who associate themselves will be added. All right. Shri Ananda Bhaskar Rapolu. ...(Interruptions)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY (Nominated): Sir, since I cannot stop him, so let me correct the record. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What happened?

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: He mentioned my name.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your name?

† Transliteration in Urdu script.

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: Yes.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shri Munvvar Saleem, did you mention his name?

SHRI CHAUDHARY MUNVVAR SALEEM: Yes, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...(*Interruptions*)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: Mr. Deputy Chairman, Sir, I have no objection to a minority institution being in this country because ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: One point. ...(*Interruptions*)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: I am mentioning the correction to what he said. ...(*Interruptions*)..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Did he mention your name?

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: He said all that. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay.

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: So, I am mentioning that I have no objection to a minority educational institution. That is the Constitutional right. However, Article 27 and several other Articles prohibit the State from financing a minority institution. ...(*Interruptions*)... Wait a minute. You don't know the Constitution. You know only the *(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. ...(*Interruptions*)...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Sir, it should be removed. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, please. ...(*Interruptions*)... Why do you provoke unnecessary? ...(*Interruptions*)... That is expunged. ...(*Interruptions*)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: You don't know the Constitution. You know the ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is expunged. ...(*Interruptions*)... Why do you provoke? ...(*Interruptions*)... That is expunged. ...(*Interruptions*)... Why do you provoke? ...(*Interruptions*)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: What did I say? ...(*Interruptions*).. Why are they interrupting? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You finish. ...(*Interruptions*)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: Why are they interrupting? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, you have made your point. ...(*Interruptions*)...

* Expunged as ordered by the Chair.

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: Sir, let me clarify. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Now, you go back. ...(Interruptions)... One of you go back and say what you want to say. ...(Interruptions)... One of you go back and say what you want to say. ...(Interruptions)... You may go and say it from your seat. ...(Interruptions)...

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, what about our Zero Hour mentions? ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Go to your seat. ...(Interruptions)... One of you say what you want...(Interruptions)... You have made your point. ...(Interruptions)... You have already made your point. ...(Interruptions)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: Sir, what point? ...(Interruptions)... Let them not interrupt me. ...(Interruptions)... They are making all kinds of allegations. I can also make allegations. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Go back to your seats. ...(Interruptions)... What is your problem? ...(Interruptions)... Go back to your seats and speak. Why do you do like this? ...(Interruptions)... Let me tell you, coming to the well and shouting is wrong. ...(Interruptions)... What do you want? ...(Interruptions)...

SHRI JESUDASU SEELAM (Andhra Pradesh): Sir, we are making a point and not shouting. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Seelam, I will have to name you. Sit down. ...(Interruptions)... I am only telling you, go back to your places and say what you want to say, so that I understand. You all shout and I don't know why you are shouting! ...(Interruptions)... What is your point? ...(Interruptions)... I have only two ears. ...(Interruptions)... You are unnecessarily spoiling the Zero Hour. ...(Interruptions)...

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, it is Zero Hour now. The clock is ticking away. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I agree with you. ...(Interruptions)... Mr. Subramanian Swamy, you have made your point. I heard you. Now, sit down. ...(Interruptions)... Your point is over. ...(Interruptions)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: No, Sir. I have to clarify. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have said what you wanted to say. Now you may take your seat. ...(Interruptions)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: I am saying it now. I am only quoting the Indian Constitutional right. ...(Interruptions)...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Sir, he should withdraw... ...(Interruptions)...

SHRI JESUDASU SEELAM: Sir, he must withdraw his remarks. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is a deliberate attempt to subvert the Zero Hour. I am not in agreement with that. *...(Interruptions)...* यह बात तो आप बोल चुके हैं। *...(व्यवधान)...* If there is any...*...(Interruptions)...* Why are you doing this? *...(Interruptions)...* What is your complaint? I don't understand that. *...(Interruptions)...* Mr. Ghulam Nabi Azad, tell me what the problem is. *...(Interruptions)...*

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI GHULAM NABI AZAD): Sir, the problem is this new gift of the BJP. *...(Interruptions)...* The problem is the new gift of the BJP. *...(Interruptions)...* The problem is not on this side. This new gift which the BJP has given will not allow the Parliament to function. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is the objectionable thing? Tell me. *...(Interruptions)...*

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नक़वी): सर, प्रॉब्लम यह नहीं है। *...(व्यवधान)...* प्रॉब्लम यह है कि आपको स्वामी जी की बात *...(व्यवधान)...* यह अलग बात है कि उनका चेहरा मुझे लगता है कि *...(व्यवधान)...*

SHRI TAPAN KUMAR SEN: Sir, call the next name. He has already made his point. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: One of you please tell me what the objectionable thing is. I am ready to deal with that. *...(Interruptions)...*

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी: जब, वे खड़े होते हैं तो *...(व्यवधान)...* मुझे लगता है कि वे क्या कहना चाहते हैं, आप उसे पहले शालीनता से सुन लीजिए। *...(व्यवधान)...* आप भी नारे लगाते हैं, तो हमने आपको कभी नहीं रोका। *...(व्यवधान)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am requesting all hon. Members, one of you tell me what the objectionable thing is. Tell me what it is. *...(Interruptions)...*

SHRI JAIRAM RAMESH (Andhra Pradesh): Sir, let me tell you. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let others sit. Others may sit *...(Interruptions)...* What is the objectionable thing? *...(Interruptions)...*

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी: आप ही की भाषा बोलते हैं। *...(व्यवधान)...* उस भाषा का जवाब हम दे सकते हैं, लेकिन *...(व्यवधान)...* किसी को अपनी बात रखने से रोकना *...(व्यवधान)...* के खिलाफ भी है और नैतिकता के भी खिलाफ है। *...(व्यवधान)...*

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, I will tell you. *...(Interruptions)...* In the process of making a clarification, Dr. Swamy needlessly, provocatively has brought in a reference to the Constitution of a European country...*...(Interruptions)...* This is needless. *...(Interruptions)...* Sir, this is deliberate. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have expunged it already. *...(Interruptions)...* I have expunged it already. *...(Interruptions)...* Now, please sit down. I have expunged it already....*...(Interruptions)...* I expunged it then and there. *...(Interruptions)...* Go back to your seats.

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): सर, आप हमारी बात भी सुनिए। *...(व्यवधान)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, please sit down. Let me deal with the problem. *...(Interruptions)...* Mr. Jairam Ramesh *...(Interruptions)...* Sit down. *...(Interruptions)...*

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, ask him to sit down. *...(Interruptions)...* Ask him to sit down. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You listen to me. *...(Interruptions)...*

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, ask him to sit down. *...(Interruptions)...* You ask him to sit down. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You listen to me. *...(Interruptions)...*

KUMARI SELJA: He should sit down. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What are you doing? *...(Interruptions)...*

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, ask him to sit down. *...(Interruptions)...* You ask him to sit down. *...(Interruptions)...* You ask him to sit down. *...(Interruptions)...*

KUMARI SELJA: He must sit down. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Congress Members do not listen to me. *...(Interruptions)...* I am sorry. *...(Interruptions)...*

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, you ask him to sit down. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You listen to me. *...(Interruptions)...*

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, you ask him to sit down. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You listen to me. *...(Interruptions)...*

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, you ask him to sit down. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You cannot direct me like that. *...(Interruptions)...* You cannot direct me like that. *...(Interruptions)...* See, you are shouting on nothing because I have expunged it then and there. *...(Interruptions)...* Why are you shouting? *...(Interruptions)...* It is non-existent. *...(Interruptions)...* I don't know. *...(Interruptions)...* I have expunged it then and there. *...(Interruptions)...* It is nowhere. *...(Interruptions)...* It cannot be reported; it cannot come in the channel because I have expunged it then and there. *...(Interruptions)...* Why are you shouting? *...(Interruptions)...*

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, you ask him to sit down. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, you ask him. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, I have a point of order. Please listen to me. ...*(Interruptions)*... Please listen to me. ...*(Interruptions)*... My point of order is, under the rules of this House, Members have a right to give notice for Zero Hour. ...*(Interruptions)*... On Zero Hour notices, permission to raise the matter is given by the hon. Chairman. This is the list.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You say I have got it.

SHRI ANAND SHARMA: Now, Sir, that is the right of the hon. Member to raise the issue if it has been allowed. Can any other Member then interfere or seek clarification? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If a Member mentions the name of another Member of the House or makes allegation or otherwise, that Member has the right. ...*(Interruptions)*... That is what happened. ...*(Interruptions)*... That is a point. ...*(Interruptions)*... He has a right. ...*(Interruptions)*... He has a right to explain. ...*(Interruptions)*... He has a right to explain because his name was taken. ...*(Interruptions)*... Why did you do that?

SHRI GHULAM NABI AZAD: Sir, we had no objection. Since the hon. Member had taken his name, we had no objection to clear that particular point made by the hon. Member. But it was totally out of context what he has done. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That I have expunged. ...*(Interruptions)*...

SHRI GHULAM NABI AZAD: Sir, it is only his second day in Rajya Sabha. In two days, you have expunged twice. Since there are 365 days, how many times are you going to expunge his words? ...*(Interruptions)*... Though this man has aged, he doesn't know the difference between the street words and parliament words because he doesn't allow his hair to grey so that he could learn something. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: He is vitiating the environment. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Zero Hour to continue; Shri Ananda Bhaskar Rapolu. ...*(Interruptions)*...

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी: सर, ऑनरेबल LOP ने जो बात कही है, मुझे लगता है कि वह ठीक नहीं है। आपने नियमों के तहत उनको बोलने के लिए अलाऊ किया। ...*(व्यवधान)*... आपके अलाऊ करने पर वे बोलने के लिए खड़े हुए। उसके बाद उनको बोलने से रोका जा रहा है। ...*(व्यवधान)*... सर, इस सदन में कितनी बार प्रधान मंत्री जी के खिलाफ नारेबाजी होती है। ...*(व्यवधान)*... अगर आप यह चीज करेंगे, तो यह निश्चित तौर से ठीक नहीं है। ...*(व्यवधान)*... आप जिस स्कूल में पढ़ने गए हैं, हम लोग वहां के हेडमास्टर रहे हैं। ...*(व्यवधान)*...

DR. K. P. RAMALINGAM: Sir, other parties are also here. ...*(Interruptions)*...

This House is not for BJP and Congress. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Subramanian Swamy, you explained and I understood. ...(Interruptions)... Your point is very clear; I understood it. ...(Interruptions)... Now you sit down. ...(Interruptions)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: Sir, I understand that* is unparliamentary. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You don't say that. ...(Interruptions)... You cannot bring unnecessary things. ...(Interruptions)... Why do you do that? ...(Interruptions)... That is expunged. Nothing will go on record. Dr. Subramanian Swamy is unnecessarily provoking. Nothing will go on record. ...(Interruptions)... I will have to take action against you. Don't do that. ...(Interruptions)... Why do you mention another country? ...(Interruptions)... Dr. Subramanian Swamy is unnecessarily provoking. Don't do this. ...(Interruptions)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: **

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What are you doing? ...(Interruptions)... You sit down now. You don't say anything more. You are provoking. Sit down. Dr. Subramanian Swamy is provoking. ...(Interruptions)... Sit down. What he says will not go on record. ...(Interruptions)... Nothing is going on record. ...(Interruptions)... I said that whatever he says will not go on record. ...(Interruptions)...

DR. SUBRAMANIAN SWAMY: **

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing is going on record. You sit down. ...(Interruptions)... It is over. You mentioned; that is enough. Dr. Subramanian Swamy, sit down. ...(Interruptions)... That is not going on record. What do you want? ...(Interruptions)... What Dr. Subramanian Swamy says will not go on record because he has already explained his position. The Chair has understood the position. Number two, whatever I expunged should not be reported by the media. ...(Interruptions)...

Now, Shri Ananda Bhaskar Rapolu to make his Zero Hour mention. ...(Interruptions)...

Transport turmoil in the National Capital

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Mr. Deputy Chairman, Sir, I seek the attention of the House, the Union Government and the enlightened citizens of the nation on the prevalent transport turmoil in the National Capital. ...(Interruptions)... National Capital is the place of representative population of the total population of the nation. The National Capital's transport turmoil reflects on the image of the country creating division between haves and have-nots. ...(Interruptions)...

* Expunged as ordered by the Chair.

** Not recorded.